श्रीमती प्रमिन्द्र चोपड़ा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)

श्रीमती परमिंदर चोपड़ा ने भारत सरकार द्वारा नियुक्ति पर 14 अगस्त, 2023 से पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार ग्रहण किया है। इससे पहले, इन्होंने 01.06.2023 से अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का अतिरिक्त प्रभार संभाला था और 01.07.2020 से पीएफसी में निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत थीं। **इसके साथ ही, श्रीमती चोपड़ा भारत की सबसे बड़ी एनबीएफसी, पीएफसी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गईं।**

निदेशक (वित्त) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, इन्होंने वित्त प्रभाग का नेतृत्व किया, जिससे उच्चतम शुद्ध लाभ, उच्चतम निवल मूल्य और सबसे कम एनपीए स्तर प्राप्त हुआ। इस तरह के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन ने पीएफसी को "महारत्न" का सर्वोच्च दर्जा दिलाने में भी मदद की है। इन्होंने विद्युत वितरण क्षेत्र के लिए 1.12 ट्रिलियन रुपये की लिक्विडिटी इन्फ्यूजन स्कीम (एलआईएस) के सफल कार्यान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे भारत सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत पहल के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था।

इन्हें विद्युत और वित्तीय क्षेत्र में 35 वर्षों से अधिक का विविध अनुभव है। पीएफसी में, ये संसाधन जुटाने (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार), बैंकिंग, ट्रेजरी, परिसंपत्ति देयता प्रबंधन और तनावग्रस्त परिसंपत्ति समाधान सहित प्रमुख वित्तीय कार्यों का नेतृत्व कर रही थीं। इनके पिछले अनुभव में एनएचपीसी लिमिटेड और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड जैसी विद्युत क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में सेवा शामिल है। ये विद्युत और वित्तीय क्षेत्र में अनुभव के दुर्लभ मिश्रण का लाभ उठाने और पीएफसी की परिवर्तनकारी यात्रा का नेतृत्व करने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में हैं।

पदभार संभालने के साथ ही वह बिजली और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों को वित्तपोषित करने के अलावा भारत के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों के वित्तपोषण में पीएफसी की महत्वपूर्ण भूमिका को गति प्रदान करेंगी। इनके नेतृत्व में, भारत के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा वित्तपोषक के रूप में पीएफसी ने इलेक्ट्रिक वाहनों, जैव ईंधन, राउंड द क्लॉक जैसे हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा, अक्षय उपकरण निर्माण आदि के वित्तपोषण सहित स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण में उल्लेखनीय वृद्धि की है और हाल ही में स्वच्छ ऊर्जा डेवलपर्स के साथ ₹2.40 लाख करोड़ के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के प्रमुख वित्तपोषक के रूप में उभरी है। ये भारत सरकार की प्रमुख विद्युत क्षेत्र पहलों के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करना जारी रखेंगी, जिसमें पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) और विलंबित भुगतान अधिभार (एलपीएस) नियम शामिल हैं।

श्रीमती चोपड़ा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है और ये एक योग्य लागत और प्रबंधन लेखाकार हैं। इनके पास व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी है। इन्होंने विश्व प्रसिद्ध संस्थानों यानी हार्वर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए और यूरोपीय स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में जोखिम प्रबंधन और वैश्विक प्रबंधन पर उन्नत कार्यक्रमों में भाग लिया है। वर्ष 2023 में, श्रीमती परमिंदर चोपड़ा को व्यवसाय, समाज और राष्ट्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए भारतीय लागत लेखाकार संस्थान द्वारा प्रतिष्ठित **'आइकन ऑफ द ईयर'** पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस मान्यता के अलावा, उसी वर्ष इन्हें वित्त उद्योग में इनके उत्कृष्ट योगदान के लिए **"फ़ाइनेंस लीडर ऑफ द ईयर"** पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। ये सम्मान इनकी असाधारण उपलब्धियों और विभिन्न मोर्चों पर स्थायी प्रभाव को उजागर करते हैं।

पी एफ सी
PFC

(एक महारत्न कंपनी)

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)